Regarding establishment of Jawahar Navodaya Vidyalaya in Aonla Parliamentary Constituency

श्री नीरज मौर्य (आंवला) : माननीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे लोक महत्व के विषय पर बोलने का अवसर दिया ।

डॉ बाबा साहब अम्बेडकर ने कहा था कि ?शिक्षा शेरनी का वह दूध है, जो पीएगा वह दहाड़ेगा ।? लेकिन बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि उत्तर प्रदेश के अंदर सरकारी स्कूलों की बहुत दुर्दशा है और सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है । उत्तर प्रदेश में जब माननीय अखिलेश यादव जी थे तो छात्रों को लैपटॉप दिए जा रहे थे और आज मधुशालाएं दी जा रही हैं ।

मान्यवर, हम आंवला लोक सभा क्षेत्र से आते हैं । आंवला लोक सभा ग्रामीण क्षेत्र की लोक सभा है । ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई के लिए अच्छे स्कूल नहीं हैं । बच्चों को अच्छी शिक्षा कैसे मिले, इसकी कोई व्यवस्था नहीं है और दूसरी तरफ एक नारा दिया जा रहा है कि ?सब पढ़ें, सब बढ़ें।? इसी लोक सभा ने राइट टू एजुकेशन एक्ट पास किया । इसी लोक सभा ने सभी को शिक्षा का अधिकार दिया, लेकिन आज शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है । इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार उत्तर प्रदेश के स्कूलों को बंद न करे बल्कि हमारे क्षेत्र में सरकारी केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय की स्थापना करे, जिससे सबको शिक्षा का अधिकार मिले । मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया ।